दिल्ली

अंक : जुलाई–सितम्बर 2015

प्रधान सम्पादक
सज्जन सिंह यादव

अतिरिक्त निदेशक
राजेश चोपड़ा

सम्पादक
नलिन चौहान

सम्पादकीय सहयोग
कंचन आजाद, विनोद गुप्ता
चन्दन कुमार, अमित कुमार
मनीष कुमार, उर्मिला बेनिवाल

छाया चित्र
सुधीर कुमार, अजय कुमार, योगेश जोशी

"दिल्ली" पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में अभिव्यक्त विचार रचनाकारों के अपने हैं तथा दिल्ली सरकार का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं।

पत्राचार का पता
प्रधान सम्पादक
दिल्ली सूचना एवं प्रसार निदेशालय
दिल्ली सरकार
खंड सं. 9, पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054
दूरभाष : 23819046, 23817926
फैक्स : 23814081
ई–मेल : delhidip@gmail.com

इस अंक में...

हिन्दी

दिल्ली सरकार का 69वां स्वतंत्रता दिवस 3
उपमुख्यमंत्री श्री सिसोदिया ने जन्म व मृत्यु पंजीकरण की रिपोर्ट 2014 जारी की........ 9
बिहार सम्मान समारोह 10
उपमुख्यमंत्री ने की 40 महापौरों के साथ मुलाकात 13
जल्द खुलेंगी दिल्ली स्किल्स यूनिवर्सिटी 15
दिल्ली विधानसभा का दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम 20
गतिविधियां 26

पंजाबी

ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਬਜਟ 2015-16 1
ਪਰਿਵਹਨ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤਾ ਆਟੋ ਸੰਵਾਦ 8
ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਮੁੱਖਮੰਤਰੀ ਨੇ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਭ੍ਰਿਸ਼ਟਾਚਾਰ ਵਿਰੋਧੀ ਹੈਲਪਲਾਈਨ 10
ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ 12

उर्दू

دہلی سرکار کا بجٹ 2015-16 1
محکمہ ٹرانسپورٹ نے انعقاد آٹو مکالمہ 8
دہلی کے وزیر اعلیٰ نے شروع کی بدعنوانی مخالف ہیلپ لائن 10
سرگرمیاں 12

आज से दिल्ली में रिश्वतखोरी बंद!

एंटी करप्शन हेल्पलाइन नं. 1031

नमस्कार,

दिल्ली सरकार ने दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ हेल्पलाइन–1031 शुरू की है। इसके जरिए सरकार ने आपको, यानि कि हर नागरिक को इंस्पेक्टर बना दिया है। अब अगर आपसे कोई सरकारी अफसर रिश्वत मांगे तो उसे मना मत करना। जब वो रिश्वत मांग रहा हो तो, अपने मोबाइल फोन को रिकॉर्डिंग पर लगा देना और उसकी रिकॉर्डिंग कर लेना। फिर हमें 1031 पर कॉल करना। हम उस अफसर को रंगे हाथ पकड़ेंगे और जेल भेजेंगे।

हम सब मिलकर दिल्ली को भारत का पहला भ्रष्टाचार मुक्त शहर बनाएंगे। ये काम मैं अकेले नहीं कर सकता। आप सबका साथ चाहिए। मेरा साथ देंगे न।

जय हिन्द!

–अरविंद केजरीवाल
मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार

DELHI GOVERNMENT
Team Delhi, Making things happen

मिलकर दिल्ली को खुशहाल बनाएंगे

दिल्ली सरकार का 69 वां

स्वतंत्रता दिवस

fnYyh d e[;e=h Jh vjfon dtjhoky u 69o Lor=rk fnol ij N=lky LVfM;e e vk;kftr ,d lekjkg e mifLFkr tu lenk; dk lckf/kr fd;kA

bl volj ij mUgku viuh ljdkj d igy Ng eghu d dkedkt d ckj e crk;kA

देश की आजादी की खातिर अपना सब कुछ बलिदान करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देते हुए दिल्ली सरकार ने 69वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। इस अवसर पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने छत्रसाल स्टेडियम में तिरंगा झंडा फहराया। सहायक पुलिस आयुक्त रिचा तोमर के नेतृत्व में हुए परेड की सलामी के बाद मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर लोगों को संबोधित किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने दिल्ली को भ्रष्टाचार–मुक्त विश्व स्तरीय शहर बनाने का सपना उपस्थित समुदाय के सामने रखा। उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली के लोगों के लिए रोजाना मिल रहा हूं और हमने सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह और सुलभ बनाया है। लोग मुझसे कहते हैं कि आजाद हिंदुस्तान के इतिहास में इतना काम किसी सरकार ने नहीं किया है जितना हमारी सरकार ने पहले 6 महीने में कर दिया है। इससे मुझे काफी खुशी मिलती है कि भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति से वास्तव में बेहतरीन प्रशासन संभव हो पा रहा है।

उन्होंने कहा कि सन् 1947 में हमें अंग्रेजों से आजादी मिली थी और अब हमें अपने देश को भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता, अपराध, जातिवाद और महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध से मुक्ति दिलानी है। आजादी के वक्त हमारे महान नेताओं ने कहा कि आजादी के बाद इस मुल्क के लिए अनेक सपने देखे थे, अनेक वादे किये थे जो अभी तक हम पूरे नहीं कर पाए हैं। दिल्ली की श्री केजरीवाल सरकार इन सपनों को पूरा करने का संकल्प

लेती है। उन्होंने कहा कि मैं निजी तौर पर सुनिश्चित करूंगा कि गांधी जी का देश की जनता के उत्थान का सामाजिक–राजनीतिक–आर्थिक सपना साकार हो।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने नीतिगत फैसलों और प्रशासनिक सुधार के बारे में बोलते हुए कहा, हम दिल्ली के लोगों को जवाबदेह, प्रभावी और परिवर्तनकारी प्रशासन देने में कामयाब रहे हैं क्योंकि हमारी सरकार में काम करने वाले लोग ईमानदार हैं। सरकारों के पास बजट और योजनाओं की कमी नहीं है, कमी है तो बस ईमानदार नीयत की। और दिल्ली में हमने इस धारणा को बदलकर दिखाया है, जिसका परिणाम सबके सामने है।

मुख्यमंत्री ने छह महीने पुरानी सरकार के कामकाज का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने शिक्षा के बजट को दोगुने से ज्यादा, स्वास्थ्य बजट को डेढ़ गुना से ज्यादा बढ़ाया है। इससे दिल्ली के सरकारी स्कूलों और अस्पताओं का कायापलट हो रहा है। उन्होंने बताया कि 500 नये स्कूल, 1000 आम आदमी क्लीनिक खोले जाएंगे जिससे हमारे बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित हो सकेगा। ये सब होने से वे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। अपने हर सपने को पूरा कर पाएंगे।

श्री केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार ने बिजली के भारी–भरकम बिल से त्राहि–त्राहि कर रहे लोगों को राहत देते हुए बिजली के बिल आधे कर दिए हैं। किसानों के

हित में ऐतिहासिक फैसला लेते हुए सरकान ने बेमौसम बारिश के कारण फसल चौपट होने से प्रभावित किसानों को 50,000 रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से मुआवजा दिया है।

इन सब कार्यों से स्पष्ट है कि हम अपना बजट और समय लोगों पर खर्च कर रहे हैं जो कि हमारे लोकतांत्रिक विकास का असली इंजन हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने, जल संकट के समाधान और वर्षा जन संचयन के लिए नई परियोजनाओं की तारीफ की। उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड के प्रत्येक कॉलोनी, गांव, झुग्गियों, कच्ची कॉलोनियों में पानी और सीवेज पाइप लाइन पहुंचाने के युद्ध स्तर के प्रयासों की सराहना की।

इस मौके पर उन्होंने यमुना नदी को लेकर अपना दृष्टिकोण रखते हुए इस विषय में केंद्र सरकार के दिल्ली सरकार के प्रयासों में सहयोग की सराहना की।

उन्होंने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह से अपील करते हुए कहा, सरकारी कामकाज को लेकर प्रधानमंत्री और दिल्ली के मुख्यमंत्री के बीच में सौहार्दपूर्ण रिश्ते होने चाहिए। साथ ही, दिल्ली के विकास संबंधी फैसलों में दिल्ली के लोगों की भूमिका और भागीदारी होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं केंद्र सरकार से 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के मुआवजे की प्रक्रिया को तेज और दिल्ली के साथ बिजली हुए निजी कंपनियों के समझौते के नवीकरण का भी अनुरोध करूंगा ताकि यहां के लोगों को सस्ती बिजली मिल सकें।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से दिल्ली के 2 करोड़ लोगों के हित में परिवर्तनकारी दिल्ली सरकार के साथ पूरा सहयोग करने की भी अपील की।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं यह भी याद दिलाना चाहता हूं कि सरकार एक ऐसी संस्था होती है, जो देश को तरक्की की राह पर ले जाती हैं। लोकतंत्र का मतलब जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता का शासन है। ऐसे में यह बहुत जरूरी हैं कि हम एक बार फिर इस तथ्य को याद कर लें। ये जनता ही है जो विकास के नये कीर्तिमान स्थापित करती है। मैं दिल्ली के लोगों की खुशहाली, स्वास्थ्य, कामकाज के लिए प्रशिक्षण की राह में आने वाली हर रुकावट का समाधान सुनिश्चित करूंगा ताकि वे यानी जनता हमारी आजादी के महान नायकों के सपने को साकार कर सकें।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपस्थित लोगों ने एक साथ एक प्रेरणादायी गीत **'इंसान का इंसान से हो भाईचारा...'** गाकर स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का समापन किया। ■

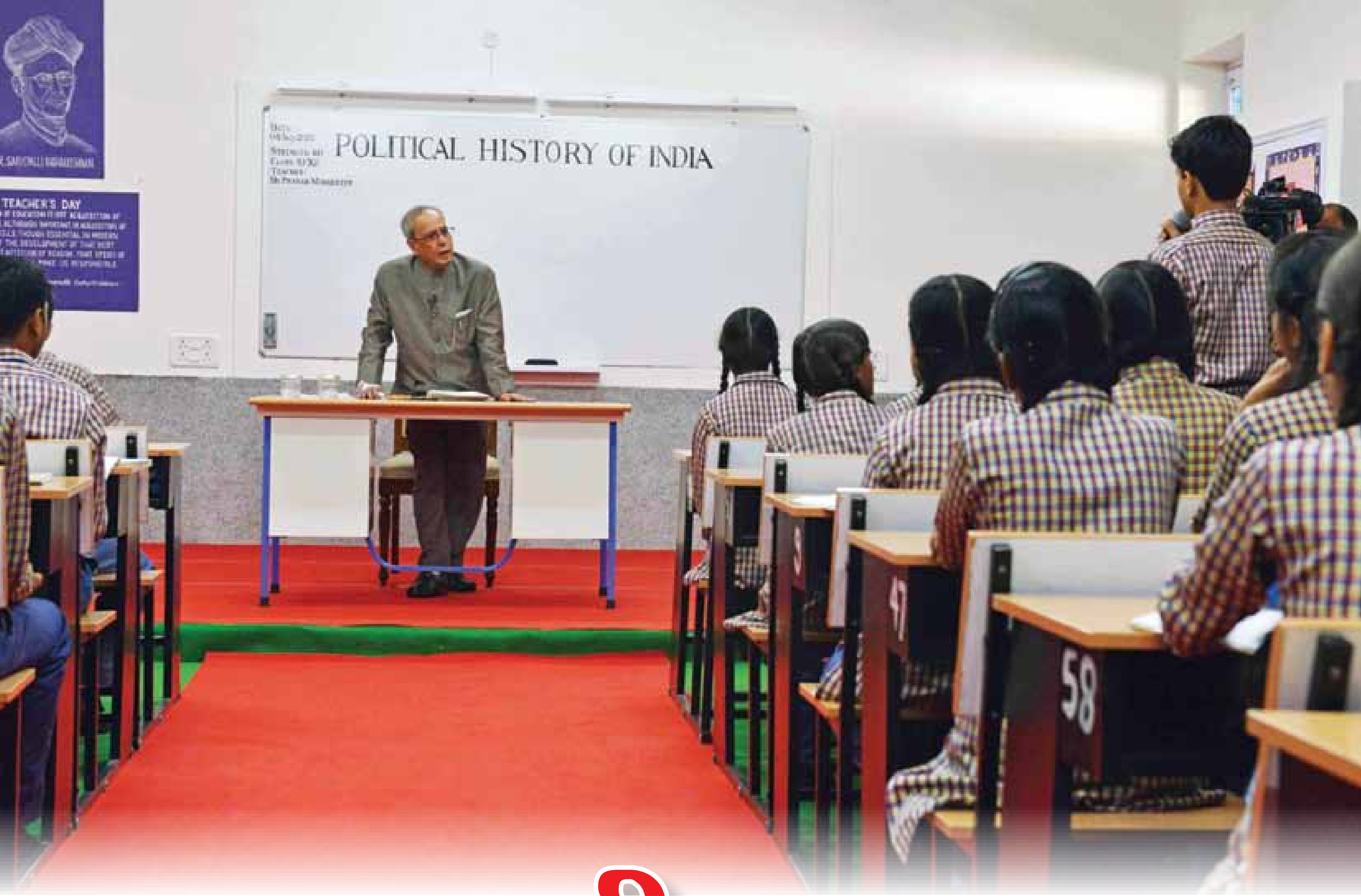

भारत के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में शिक्षक बनें कार्यक्रम का उद्घाटन किया

भारत के राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी ने 4 सितम्बर, 2015 राष्ट्रपति भवन में शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर दिल्ली सरकार के कार्यक्रम 'शिक्षक बनें' का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति जी ने राष्ट्रपति संपदा के डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सर्वोदय विद्यालय की कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों को भारत का राजनीतिक इतिहास पढ़ाया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वह प्रेजिडेंसी कॉलेज कोलकाता में राजनीतिक विज्ञान के शिक्षक रह चुके हैं। उन्हें शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर बहुत वर्षों के बाद शिक्षक की अपनी भूमिका फिर से निभाने पर प्रसन्नता हो रही है।

उन्होंने विद्यार्थी के रूप में अपने प्रिय दिनों को याद किया। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों के दौरान शिक्षा प्रणाली में भारी बदलाव आए हैं।

उन्होंने बहुदलीय लोकतंत्र के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी आंखों के सामने बहुत से घटनाक्रमों को घटित होते हुए देखा है तथा उन्हें भारतीय लोकतंत्र पर अचंभा होता है। लोकतंत्र आम आदमी को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने का अवसर प्रदान करता है। लोकतंत्र के कारण ही वह रायसीना हिल्स तक पहुंच सके हैं। बच्चे अपने संरचना काल में जो कुछ सीखते हैं वह उनके मस्तिष्क पर स्थाई प्रभाव डालता है। संभवतरू उनकी मां ही उनकी सर्वोत्तम शिक्षिका थी जिन्होंने उनमें प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों के महत्व का समावेश किया था।

राष्ट्रपति जी ने इस अवसर पर दिल्ली सरकार के शिक्षकों को भी संबोधित किया। उन्होंने शिक्षक समुदाय को हार्दिक बधाई देते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधकृष्णन को याद किया जिन्होंने आधुनिक भारत में शिक्षा क्षेत्र को दिशा प्रदान करने में असाधारण योगदान दिया।

राष्ट्रपति जी ने कहा कि भारत को गुरुओं की भूमि कहा जाता है। गुरु शिष्य परंपरा सभ्यतागत मूल्यों के सिद्धांतों में से एक है। शिक्षा वह रसायन विद्या है जो भारत को उसके अगले स्वर्णयुग में ले जा सकती है। डॉ. राधाकृष्णन को उद्धृत करते हुए राष्ट्रपति जी ने कहा, 'शिक्षा इस बात को ध्यान में रखकर दी जानी चाहिए कि हम किस तरह के समाज का निर्माण करना चाहते हैं। हम मानवीय गरिमा और समानता के मूल्यों पर निर्मित आधुनिक लोकतंत्र के लिए प्रयासरत हैं। यह केवल आदर्श हैं और हमें इनको जीती जागती शक्ति बनाना होगा।' राष्ट्रपति जी ने कहा कि शिक्षक कुम्हार के नर्म तथा दक्ष हाथों के समान होते हैं।

वह हजारों विद्यार्थियों के भाग्य की रचना करते हैं और परिणामस्वरूप देश के भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्हें ऐसे बहुत से प्रेरित शिक्षक मिले हैं जो अपने विद्यार्थियों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं, राष्ट्रपति जी ने कहा कि एक पेशे के तौर पर अध्यापन को वह आदर और सम्मान मिलना चाहिए जिसका वह हकदार है। उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि बहुत से विश्वविद्यालयों में योग्य शिक्षकों की कमी है तथा उन्होंने कहा कि अध्यापन के पेशे में सर्वोत्तम मेधाओं को आकर्षित करने की जरूरत है।

राष्ट्रपति जी ने शिक्षकों का आह्वान किया कि वे शिक्षक दिवस के अवसर पर समाज के पुनर्निर्माण के प्रति खुद को पुनरू समर्पित करें।

दिल्ली सरकार के 'शिक्षक बनें' कार्यक्रम के तहत न्यायपालिका, सिविल सेवाओं, मीडिया, चिकित्सा, उद्यमिता इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों के उच्च पदस्थ व्यक्ति स्वेच्छा से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभवों को बांटने के लिए कुछ गुणवत्तापूर्ण समय देंगे। यह अपेक्षा है कि इस प्रयास से न केवल शिक्षकों को प्रेरणा मिलेगी बल्कि युवाओं को एक पेशे के रूप में अध्यापन को अपनाने की भी प्रेरणा मिलेगी। ■

उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने जन्म व मृत्यु पंजीकरण की वार्षिक रिपोर्ट 2014 जारी की

श्री मनीष सिसोदिया ने वार्षिक रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि दिल्ली में वर्ष 2014 में 3.74 लाख जन्म पंजीकृत हुए, जबकि 2013 में 3.70 लाख तथा 2012 में 3.60 लाख जन्म पंजीकृत हुए। वर्ष 2014 में पंजीकृत कुल 3.74 लाख जन्म में से लगभग 1.97 लाख (52.47प्रतिशत) लड़के तथा 1.77 लाख (47.26 प्रतिशत) लड़कियाँ थी। वर्ष 2014 में प्रति हजार जनसंख्या पर जन्मदर 20.88 रही जबकि वर्ष 2013 में यह 21.07 थी।

संस्थागत जन्म वर्ष 2013 के 3.02 लाख (81.75 प्रतिशत) से बढ़कर वर्ष 2014 में 3.10 लाख (82.83 प्रतिशत) हो गई। कुल संस्थागत जन्म के 66 प्रतिशत जन्म सरकारी अस्पतालों/संस्थाओं में तथा 34 प्रतिशत निजी अस्पतालों में हुए। प्रतिदिन जन्म की औसत संख्या वर्ष 2014 में 1024 रही जबकि वर्ष 2013 में यह 1014 थी।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जन्म पर लिंगानुपात (प्रति हजार लड़कियों पर लड़को की संख्या), वर्ष 2013 के 895 से बढ़कर वर्ष 2014 में 896 हो गई।

पंजीकृत मृत्यु की संख्या वर्ष 2013 के 0.97 लाख की अपेक्षा वर्ष 2014 में 1.21 लाख रही। वर्ष 2014 में कुल पंजीकृत मृत्यु में 62.17 प्रतिशत पुरुष तथा 37.83 प्रतिशत महिला थी। कुल मृत्यु में 61.50 प्रतिशत (74592) संस्थागत मृत्यु तथा 38.50 प्रतिशत (46694) घर में हुई मृत्यु थी। वर्ष 2014 में मृत्यु की औसत संख्या 332 प्रतिदिन थी। वर्ष 2014 में प्रतिहजार जनसंख्या पर मृत्युदर 6.77 रही।

श्री सिसोदिया ने बताया कि प्रतिहजार जीवित जन्म पर बाल मृत्युदर 2013 के 22.37 से घटकर वर्ष 2014 में 21.66 रही। ■

बिहार सम्मान समारोह

दिल्ली सरकार की ओर से राजधानी के मावलंकर हॉल में आयोजित बिहार सम्मान समारोह में दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री नीतीश कुमार और श्री अरविंद केजरीवाल ने संयुक्त रूप से भोजपुरी और मैथिली भाषा के विख्यात साहित्यकारों सहित इस अवसर पर दिल्ली में बिहार से संबंधित विधायकों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर श्री नीतीश कुमार ने दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग का श्री केजरीवाल ने समर्थन किया।

श्री नीतीश कुमार और श्री अरविंद केजरीवाल ने संयुक्त रूप से मैथिली–भौजपुरी भाषा, कला और संस्कृति को बढावा देने में उत्कर्ष योगदान के लिए सारंगी वादक श्री अनिल कुमार मिश्रा, कवि श्री

गणेश गुंजन को कविता के क्षेत्र में, डा. रमा शंकर श्रीवास्तव को शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में, श्रीमती पूनम दूबे को, डा. रमन लाल को शिक्षा और समाज के क्षेत्र में, श्री प्रकाश झा और श्री महेन्द्र प्रताप सिंह को कला के क्षेत्र में और श्री चन्दर प्रकाश राय को औषधी के क्षेत्र में शाल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बिहार से जुड़े दिल्ली के विधायकों श्री गोपाल राय, श्रीमती वंदना कुमारी, श्री कपिल मिश्रा, श्री संजीव झा, श्री रितुराज झा, श्री आदर्श शास्त्री, श्री सोमनाथ भारती और राजेश ऋषि को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर श्री के.सी त्यागी, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया, परिवहन मंत्री श्री गोपाल राय, कला एवं संस्कृति मंत्री श्री कपिल मिश्रा और श्री कुमार संजोय सिंह भी उपस्थित थे।

इस मौके पर श्री नीतीश कुमार ने श्री अरंविद केजरीवाल के कार्यप्रणाली की प्रशंसा की जबकि श्री नीतीश ने श्री केजरीवाल को पूरे सहयोग का आश्वासन दिया।

श्री नीतीश कुमार ने श्री केजरीवाल को दिल्ली विधानसभा चुनाव में 70 में 67 सीटों पर विजय हासिल करने के लिए बधाई दी।

श्री नीतीश कुमार ने दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल को बिहार आने के लिए भी आमंत्रित किया। श्री केजरीवाल ने बिहार के लिए आमंत्रण स्वीकार करते हुए श्री नीतीश कुमार की मांग दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा और बिहार को विशेष राज्य का दर्जा का समर्थन भी किया। श्री केजरीवाल ने कहा कि हमारा उददेश्य भ्रष्टाचार मुक्त और ईमानदार प्रशासन की स्थापना करना है। ■

उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने की 40 महापौरों के साथ मुलाकात

दिल्ली सरकार और देश की विभिन्न शहरी नगर निगमों के बीच बहतर तालमेल स्थापित करने के लिए दिल्ली सचिवालय में एक संगोष्ठी आयोजित की गई। यह संगोष्ठी देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित देश के विभिन्न शहरों से लगभग 40 निर्वाचित महापौरों और निगमपार्षदों ने अपने अपने विचार रखें। इस मौके पर दिल्ली पर्यटन ने दिल्ली में पर्यटन को बढावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का एक प्रस्तुति भी दी।

इस मौके दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार को दिल्ली में आपका स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। उन्होंनं कहा कि दिल्ली सरकार ने अपना बजट मोहल्ला सभाएं आयोजित करके तैयार किया है। यह बजट आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करने और उसे सशक्त बनाने में बड़ा सहयोगी होगा। हमे उम्मीद है कि देश के अन्य राज्य को भी इस अनुभव का फायदा होगा। श्री सिसोदिया ने अपनी ब्राजील यात्रा के अनुभव को भी इस बैठक में साझा किया।

श्री सिसोदिया ने कहा कि आज प्रत्येक नागरिक को केवल एक मतदाता की ही नहीं बल्कि समाज के एक सशक्त नागरिक की भूमिका निभानी है क्योंकि लोगों की प्राथमिकता सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मैं सभी उपस्थित प्रतिनिधियों से अनुरोध करता हूं कि सरकार के सभी योजनाओं और विकास कार्यों में जनता की हिस्सेदारी सुनिश्चित करें तभी स्वाराज का मूल सिद्धांत वास्तव में सिद्ध हो सकता है। इस अवसर पर दिल्ली के पर्यटन मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने सभी प्रतिनिधियों से दिल्ली पर्यटन विभाग पर्यटक बस में दिल्ली के भ्रमण के अनुभव के विषय में पूछा। श्री मिश्रा ने कहा कि हमें आपके विचार जानने में बेहद खुशी होगी क्योंकि ये विचार दिल्ली सरकार के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

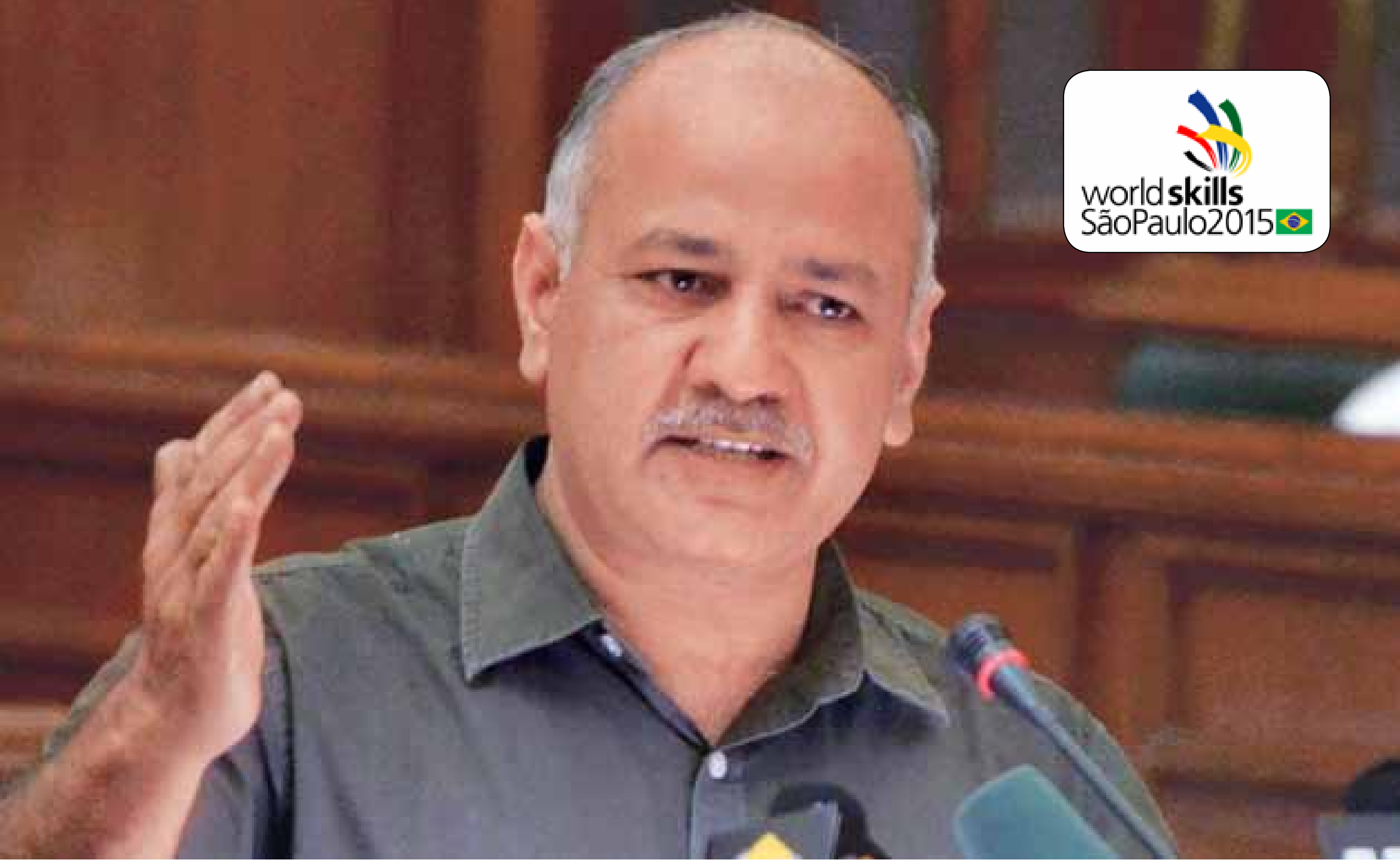

जल्द खुलेगी दिल्ली स्किल्स यूनिवर्सिटी

- dkS'ky vkSj rduhdh f'k{kk ij fczVsu] czkthy] teZuh] fQuySaM lfgr dbZ ns'kksa ds lkFk gqbZ fnYyh ljdkj dh ckrphr
- fnYyh ljdkj vkSj lkvks ikmyks ds us'kuy lfoZl Q,j bMfLVª;y Vsªfuax ¼,lbZ,u,vkbZ½ ds lkFk tYn gh ,d le>kSrk i= ij gLrk{kj gksus dh lEHkkouk
- mi&eq[;ea=h euh"k fllksfn;k dh vxqokbZ esa fnYyh ljdkj dk ,d çfrfuf/keMy ^43osa fo'o dkS'ky çfr;ksfxrk 2015* esa fgLlk ysus czkthy ds lkvks ikmyks x,
- lu~ 2021 esa fnYyh esa fo'o dkS'ky çfr;ksfxrk djkus ij Hkh gqbZ ppkZ

दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली स्किल्स यूनिवर्सिटी' स्थापित करने की दिशा में फिनलैंड, ब्राजील, ब्रिटेन और जर्मनी के शिक्षा मंत्रियों के साथ एक उच्च स्तरीय बातचीत हुई है। दिल्ली सरकार और साओ पाउलो के नेशनल सर्विस फॉर इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग (एसईएनएआई) के साथ जल्द ही एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है।

दिल्ली के उप–मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया '43वें विश्व कौशल प्रतियोगिता 2015' में हिस्सा लेने के लिए ब्राजील के साओ पाउलो गए थे। 11 अगस्त से 16 अगस्त तक हुई इस प्रतियोगिता में 57 देशों के 1192 प्रतियोगी शामिल हुए। भारत की तरफ से 29 प्रतिभागी 27 कौशल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। उप–मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने

प्रतिभागियों से मिलकर उन्हें बधाई दी और उनका हौसला बढ़ाया।

उप–मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अगुवाई में साओ पाउलो गए दिल्ली सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली को व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा का केंद्र बनाने की दिशा में की जा रही पहल को आगे बढ़ाते हुए कई बैठकें की। कौशल एवं तकनीकी शिक्षा से संबंधित इन बैठकों का प्रमुख उद्देश्य दिल्ली स्किल्स यूनिवर्सिटी की स्थापना में विश्व की बेहतरीन प्रणालियों को लागू करना।

उप–मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अपनी इस यात्रा के दौरान दिल्ली में 2021 में विश्व कौशल प्रतियोगिता आयोजित करने के बारे में भी चर्चा की।

दिल्ली की पूरी शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की दिशा में पहल करते हुए दिल्ली सरकार फिनलैंड, ब्राजील और ब्रिटेन सहित विश्व की बेहतरीन कौशल शिक्षा व्यवस्था को दिल्ली में लागू करने के लिए इन देशों के साथ समझौते का रास्ता खोज रही है।

उप–मुख्यमंत्री अपनी यात्रा के दौरान एसईएनएआई कैंपस भी गए। एसईएनएआई की तरह डेल्ही स्किल्स यूनिवर्सिटी स्थापित करने के बारे में उन्होंने वहां के शीर्ष प्रबंधन, अध्यापकों और अनुसंधान प्रशासकों से विस्तृत चर्चा की। एसईएनएआई में मौजूदा समय में 7 लाख से ज्यादा छात्र व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

दिल्ली के उप–मुख्यमंत्री ने साओ पाउलो यूनिवर्सिटी का भी दौरा किया और फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रीज ऑफ स्टेट ऑफ साओ पाउलो के वरिष्ठ अधिकारियों सहित प्रेसीडेंट के साथ बातचीत भी की। उप मुख्यमंत्री की अगुवाई वाले दिल्ली सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में सार्थक और रोजगार उन्मुख व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा के प्रसार के लिए वर्ल्ड स्किल्स प्रेसीडेंट सिमन बार्टले और सीईओ डेविड होए से विस्तृत बातचीत की।

संस्थागत स्तर के समझौते और विश्व की बेहतरीन कार्यप्रणाली को दिल्ली में लागू करने की संभावनाएं तलाशने के लिए उप–मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने फिनलैंड शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों, फिन्निश एकेडमी फॉर स्किल्स एक्सीलेंस, हेम यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंस के अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ भी बातचीत की।

विश्व कौशल प्रतियोगिता हर दूसरे साल आयोजित की जाती है और व्यावसायिक शिक्षा की दिशा में यह विश्व की सबसे बड़ी और सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता में अपने सबसे प्रतिभाशाली छात्रों को भेजने के लिए प्रत्येक देश अपने यहां एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता कराकर उनका चयन करते हैं। विश्व कौशल प्रतियोगिता में छात्र व्यक्तिगत और सामूहिक तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन करते हैं।

वल् र्ड स्किल्स इंटरनेशनल, नेशनल सर्विस फॉर इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग (एसईएनएआई) के साथ मिलकर इस साल, इस प्रतियोगिता का आयोजन किया।

छात्रों, कंपनियों और सरकारों के लिए व्यावसायिक शिक्षा के महत्व पर जोर देने के अलावा यह प्रतियोगिता उद्योग जगत और सरकार से जुड़े लोगों और विशेषज्ञों को इकट्ठा होने और व्यावसायिक शिक्षा में बेहतरीन कार्यप्रणाली से जुड़ी सूचनाओं के आदान–प्रदान का मौका भी देती है। अगली विश्व कौशल प्रतियोगिता 2017 में अबू धाबी में होगी। ■

मुख्यमंत्री ने किया 27 वें आम उत्सव का उद्घाटन

दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने तीन दिनों तक चले 27 वें आम महोत्सव, का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसौदिया, पर्यटन, कला–संस्कृति एवं भाषा मंत्री श्री कपिल मिश्रा, जनकपुरी के विधायक श्री राजेश ऋषि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। पहली बार यह उत्सव दिल्ली हाट जनक पुरी में आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिल्ली पर्यटन के राजधानी में पर्यटन को बढ़ावा देने के इस प्रयास की सराहना की और प्रदर्शनी में रखे आमों को देखा और उनके उत्पादकों से बातचीत कर उनके बारे में जानकारी हासिल की। इतना ही नहीं उन्होंने इतनी अधिक किस्मों के आमों का अवलोकन किया और इन आमों का स्वाद भी लिया।

दिल्ली पर्यटन सन् 1987 से आम उत्सव का आयोजन कर रहा है और इस उत्सव ने राजधानी में अपार लोकप्रियता

अर्जित की है। यह उत्सव भारत की आम उत्पादकता को एक नया आयाम देने के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है।

आम उत्सव का उद्देश्य जनसाधारण को आम की विभिन्न किस्मों से अवगत करवाना तथा घरेलू आम उद्योग तथा निर्यातको को प्रोत्साहित करके एक मंच पर लाना है। इस उत्सव के माध्यम से पर्यटन, आम निर्यातकों को प्रोत्साहन तथा विदेशी मुद्रा अर्जन को बढ़ावा देने तथा निर्यातकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के प्रयास किया जाता है। विश्व में आम की 1365 से भी ज्यादा किस्में पाई जाती हैं, जिसमें से लगभग 1000 किस्में भारत में हैं। भारत के 1.23 मिलियन हेक्टैयर जमीन पर आम की खेती होती है, जिसमें से 11 मिलियन टन की पैदावार होती है।

27 वें आम उत्सव में अंगूर के आकार से लेकर कटहल के आकार तक के आमों को प्रदर्शित किया गया। आम उत्सव में भिन्न–भिन्न रूप, रंग और आकार की किस्मों के आमों की प्रदर्शनी, जिसमें आमों की दुर्लभ किस्में भी मौजूद है जैसे–सीकरी, जहॉगीर, नीलेश्वर, रायल एस.पी., रेडी पसंद, अनारस, लक्ष्मणभोग, रानीपसंद, किंगस्टन, बैगनपल्ली आदि के अलावा लोकप्रिय आमों की किस्में दशहरी, लंगड़ा, चौसा, अल्फांजों, फजरी, बांबे ग्रीन, सफेदा, केसर, तोतापरी, हिमसागर, किशनभोग, नीलम, स्वर्णरेखा, वनराजइत्यादि प्रदर्शित की गईं। कुछ विशेष प्रकार की किस्म के आम जैसे अब्दुल्ला, हुस्नआरा, आम्रपाली, मल्लिका, जर्दालू, रामकेला, ऐश्वर्या, अम्बिका, गौरव, राजीव, सौरव तथा रत्ना प्रदर्शित किए गये।

27 वें आम महोत्सव में, इस वर्ष पारंपरिक आम बागवानों के 13 किसानों व 9 सरकारी संस्थाओं ने भाग लिया, जिसमें – राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद, (लखनऊ), भारतीय

कृषि अनुसंधान संस्थान, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, जी.बी.पंत कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पंत नगर (उत्तराखंड), क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सहारनपुर) (यूपी), क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र (मल्लिहाबाद) लखनऊ एवं बस्ती (यूपी), मदर डेयरी, नई दिल्ली। देश के विभिन्न कोने से आए आम उत्पादकों ने भी इस महोत्सव में हिस्सा लिया।

फलों का राजा आम की मांग बड़ी ही तेजी से विदेशी समुन्द्री तटों तक फैल चुकी है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुंर, मलेशिया, जापान, चीन और अमेरिकी आदि देशों में आम की भारी मांग है।

vke ij thor dkVu in'kuh

इस अवसर पर प्रसिद्ध व्यंग्य चित्रकार इरफान ने आम महोत्सव में आमों पर विभिन्न प्रकार के कार्टून बनाकर आयोजन को जीवंत कर दिया। कार्टून सभी उम्र के व्यक्तियों को भाते है। यह अपने आप में एक अनोखा अनुभव था। सभी आगंतुकों ने उनकी व्यंग्य प्रदर्शनी की सराहना की।

vke [kkvk ifr;kfxrk

इस अवसर पर सामान्य के अलावा महिला वर्ग में 3 मिनट में 3 किलो आम खाने की प्रतियोगिता साहित बच्चों के लिए आम पर प्रश्नोत्तरी एवं वाक्य लिखो प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था।

दिल्ली विधानसभा में विधायकों के लिए आयोजित
दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम

दिल्ली विधानसभा में विधायकों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि सड़क पर दिया गया भाषण और विधानसभा में दिया गया भाषण एक नहीं होता। दोनों का अपना महत्व है और इनमें अंतर है। निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को इस फर्क को समझना चाहिए तथा सदन में मर्यादित तरीके से ही अपनी बात रखनी चाहिए। इस दो दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष श्री राम निवास गोयल ने की।

लोकसभा अध्यक्ष ने विधायकों को विधानसभा में बहस करने के तरीकों के साथ ही सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने के गुर सिखाएं। इस दौरान सुमित्रा महाजन ने दिल्ली विधानसभा के सोशल मीडिया अकांट को भी लांच किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की यह विधानसभा एकदम नई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया भी नए हैं। ठीक उसी तरह लोकसभा में भी प्रधानमंत्री नए हैं, इसलिए दोनों को संतुलन बनाना होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा में कई सदस्य अपनी वरिष्ठता के आधार पर उच्च पदों तक पहुंचे हैं। उनके काम से हमें सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विशेष परिस्थितियों वाला राज्य है। उन्होंने यह भी कहा कि अब आंदोलन देश की आजादी के लिए नहीं होता, सरकार के खिलाफ होता है। लेकिन आंदोलन के दौरान विशेष तौर पर सरकारी संपत्ति का ध्यान रखना चाहिए। विधायकों को सदन की कार्यवाही के गुर सिखाने पहुंची श्रीमती महाजन ने कहा कि यदि आप अपने आप को ऊंचा मानते हैं तो उस स्तर का काम भी करना चाहिए लेकिन जमीन पर रहकर।

उन्होंने विधायी कार्यप्रणाली के गुर सिखाते हुए हुए कहा कि अगर विधानसभा का कोई भी सदस्य सरकार के खिलाफ कुछ बोलता है तो न केवल उसकी बात को ध्यान से सुनना चाहिए, बल्कि उसे अपनी बात रखने का पूरा मौका भी देना चाहिए। उन्होंने कहा कि झगड़ों से नागरिकों और देश को केवल नुकासन पुहंचता है।

इस दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के समापन अवसर पर बोलते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हंगामे के बावजूद सदन को कैसे बेहतर तरीके से चलाया जाए, इसे श्रीमती महाजन से सीखना चाहिए। श्री केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता ने हमें बड़े विश्वास के साथ चुना है और इसे टूटने नहीं देना है। उन्होंने कहा कि हम में से ज्यादातर लोग आंदोलन से निकल है। इसलिए सभी को गंभीरता से विधानसभा की कार्यवाही को सीखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सदन को परंपराओं से चलाया जाता है और इन परंपराओं से चलाया जाता है और इन परंपराओं की जानकारी

सुमित्रा महाजन सहित कार्यक्रम मे आए वरिष्ठ लोगों से मिल सकती है।

श्री केजरीवाल ने कहा कि हम जानते हैं कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, लेकिन मीडिया को प्रचार आधारित खबरों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में मीडिया की अहम भूकिा है। दोनों को एक दूसरे की जरूरत है और दोनों एक दूसरे के बिना काम नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि मीडिया आज के समय में लोकतंत्र का अहम हिस्सा है, लेकिन आज मीडिया कितना लोकतांत्रिक तरीके से काम कर हा है यह अपने आज में बड़ा प्रश्न है। उनहोंन कहा कि मीडिया के लिए भी इसी तरह के नियम कानून होने चाहिए कि गलत रिपोर्टिंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो सके। ■

गतिविधियां

भारतीय किसान संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने श्री केजरीवाल से मुलाकात की।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने किसानों को फसल की क्षतिपूर्ति के लिए 50 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर के हिसाब से मुआवजा देने और सर्किल दरों का अवलोकन करने के लिए धन्यवाद दिया। किसान प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि जिस तरह दिल्ली के किसानों को प्राकृतिक आपदा के कारण खराब हुई खेती के एवज में पर्याप्त मुआवजा दिया गया है उसी तरह से राज्य सरकारों को भी अपने किसानों को मुआवजा देना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने हमें उम्मीद जताई कि ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए दिल्ली सरकार सदैव किसानों के साथ खड़ी रहेगी।

इस मौके पर श्री राकेश सिंह टिकैत ने कहा कि दिल्ली के किसानों को दिल्ली सरकार से बड़ी उम्मीदें हैं। उन्होंने दिल्ली के विधानसभा चुनावों में भारी जीत के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी और कहा दिल्ली का किसान आपके साथ है।

श्री अरविंद केजरीवाल ने प्रतिनिधिमंडल को यकीन दिलाया कि दिल्ली सरकार सदैव किसानों की बेहतरी के लिए कार्य करती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार दिल्ली के लोगों के कल्याण के लिए 24 घंटे काम कर रही है। हम पूरी तरह से किसानों के साथ हैं। किसान देश की रीढ़ हैं और हम किसानों के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रहे है।

विकास मंत्री श्री गोपाल राय एवं खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री आसिम अहमद खान ने प्याज के व्यापारियों के साथ समीक्षा बैठक की

दिल्ली के विकास मंत्री श्री गोपाल राय एवं खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री आसिम अहमद खान ने प्याज के व्यापारियों के साथ दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक

की। इस अवसर पर आजादपुर मंडी के अधिकारी एवं आलू–प्याज मर्जेंट एसोसिएशन के सदस्य शामिल थे। इस बैठक में प्याज के आवक एवं उसके मूल्य को लेकर व्यापरियों ने अपनी राय रखी।

इस अवसर पर प्याज व्यापारियों ने बताया कि दिल्ली में मुख्य रूप से प्याज महाराष्ट्र, राजस्थान, कनार्टक, हरियाणा, गुजरात एवं मध्यप्रदेश से आता है और उनके दर अलग–अलग होते हैं और थोक बाजार में मूल्य मे गिरावट आई है । उन्होंने बताया कि अब प्याज का आयात काफी मात्रा में अफगानिस्तान तथा मिश्र से किया जा रहा है। जिससे आगे प्याज की दर में स्थिरता एवं गिरावट की संभावना प्रबल है।

इस अवसर पर विकास मंत्री श्री गोपाल राय ने कहा कि व्यापारी फुटकर विक्रेताओं के साथ भी मीटिंग करें जिससे प्याज की दर में स्थिरता लाई जा सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली में प्याज के आवक में कोई कमी नहीं है और प्रति दिन प्याज का आवक औसतन 1 हजार टन से ज्यादा है। विकास मंत्री ने बताया कि एपीएमसी आजाद पुर मंडी और आलू प्याज मर्चेंट एसोसिएशन (पोमा) ने यह निर्णय लिया है कि सस्ते दर पर प्याज की ब्रिकी दिल्ली में की जाएगी। 70 गाड़ियों से सस्ती प्याज राजधानी के लोगों के लिए उपलब्ध होगी। इन गाड़ियों पर संबंधित विधायकों की निगरानी होगी जिससे वह उनके क्षेत्र में सस्ते प्याज की बिक्री सुनिश्चित करा सकें।

विकास मंत्री ने बताया कि राजधानी में प्याज की कालाबाजारी को रोकने के लिए सरकार ने प्रवर्तन टीमों का गठन किया है साथ ही ये प्रवर्तन टीमें रिटेल शॉप को लागातार चेक कर रही हैं। सरकार पहले ही 280 राशन की दुकानों पर 30 रू प्रति किलोग्राम की दर से राजधानी के लोगों के लिए प्याज उपलब्ध करा रही है।

दिल्ली सरकार ने राजधानी में प्याज की कमी पर केंद्र को पत्र लिखा

दिल्ली के खुदरा बाजार में प्याज की उपलब्धता और कीमतों में इजाफे को लेकर दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री असीम अहमद खान ने केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह को पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने लिखा कि जैसा कि आपको ज्ञात है कि बेमौसम बरसात के कारण प्याज की पैदावार पर असर पड़ा है जिसकी वजह से लासलगांव यनासिकद्धए महाराष्ट्र के थोक बाजार में प्याज की उपलब्धता में कमी आई है।

हाल के दिनों में खुदरा बाजार में प्याज की कमी और कीमतों में इजाफा देखने को मिल रहा है। ऐसे हालात से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने स्माल फार्मर्स एग्री.बिजनेस कॉन्सोर्टियम के जरिये प्याज का भंडारण पहले ही कर लिया था।

साथ ही दिल्ली लोगों की सुविधा के लिए हम सब्सिडी देकर 30 रुपये प्रति किग्रा प्याज उपलब्ध कराने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

बाजार में प्याज की कीमतों कमी लाने और पर्याप्त आपूर्ति के लिए हमें केंद्र सरकार के सहयोग की आवश्यकता महसूस हो रही है।

आपसे अनुरोध है कि केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करे कि प्याज का उत्पादन करने वाले राज्यों जैसे महाराष्ट्रए कर्नाटक और मध्य प्रदेश इत्यादि में कालाबाजारी और जमाखोरी न हो ताकि दिल्ली में प्याज की उपलब्धता बढ़ाई जा सके।

दिल्ली सरकार के विभागों में खत्म होगी दस्तावेजों से युक्त फाइल प्रणाली।

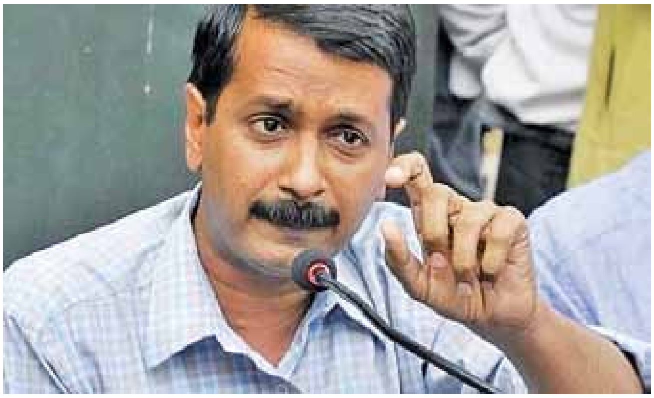

दिल्ली सरकार ने सभी विभागों को ई–ऑफिस में बदलने को महत्वपर्ण फैंसला लेते हुए अपने सभी विभागों को कागजों और फाइलों से मुक्त करेगी।

मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस फैसले को मंजूरी दी गई। इसके अंतर्गत पहले चरण में एक दिसंबर से 15 विभागों का कामकाज पूरी तरह से पेपर मुक्त हो जाएगा। इंटरनेट के जरिए विभागों को आपस में जोड़ कर ई दस्तावेजों का अंतर्विभागीय आदन–प्रदान होगा। अधिकारी डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से ई दस्तावेजों पर दस्तखत करेंगे। फाइल सिस्टम पर आधारित मौजूदा व्यवसाि में दस्तावेजों से युक्त फाइल बनाने, एक विभाग से दूसरे विभाग में भेजने और फिर फाइल के खोने की आशंका के चलते इनकी खोजबीन में खासा समय बर्बाद होता है। साथ ही इस प्रक्रिया में कागज का अत्यधिक इस्तेमाल होता है। इसलिए सरकार ने पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध कार्यप्रणाली लागू करने के लिए यह बदलावा करने का फैंसाला लिया है। इस कार्यो को प्रभावी तरीके से करने के लिए दिल्ली सरकार के सूचना एवं तकनीकी विभाग को नॉडल आफिस बनाया गया है।

दिल्ली जल बोर्ड ने दो नए भूमिगत जलाशयों और बूस्टर पम्पिंग स्टेशनों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की

दिल्ली में युक्तिसंगत और समान जल आपूर्ति वितरण उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली जल बोर्ड कठिन परिश्रम कर रहा है। इस प्रयास में, दिल्ली जल बोर्ड में दक्षिण–पश्चिमी दिल्ली में दो नए भूमिगत जलाशयों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की है। 9.1 मिलीलीटर भूमिगत जलाशय का निर्माण बिजवासन में और 5.8 मिलीलीटर भूमिगत जलशाय का निर्माण रजोकरी में किया जाएगा। हर एक भूमिगत जलाशय का एक बूस्टर पम्पिंग स्टेशन भी होगा। वर्तमान में बिजवासन और रजोकरी क्षेत्रों में पानी की कमी है और पाईप लाईन द्वारा जल आपूर्ति उपलब्ध नहीं है ।

दिल्ली जल बोर्ड के टैंकर नागरिकों की पानी की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, लेकिन जल आपूर्ति अनुकूल नहीं है। दिल्ली जल बोर्ड इन क्षेत्रों में पानी पहुँचाने के लिए भूमिगत जलाशयों के निर्माण के पूरा होने की प्रतिक्षा नहीं कर सकता। तुरन्त कदम के रूप में हाल ही में चालू किए गए द्वारका जल उपचार संयंत्र से सीधे वॉटर मेन्स द्वारा जल आपूर्ति उपलब्ध कराई जाएगी। इससे तुरन्त ही इन क्षेत्रों में जल आपूर्ति उपलब्ध होगी और टैंकरों पर निर्भरता कम होगी। इस परियोजना से बिजवासन भूमिगत जलाशय के कमांड क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों शाहबाद, मोहम्मदपुर, बिजवासन, कापसहेड़ा, समालका, समालका एक्सटेंशन, सालापुर खेड़ा आदि क्षेत्रों में रहने वाले 1,00,000 की जनसंख्या को और रजोकारी कमांड क्षेत्र में आने वाले एयर फोर्स कैंप रंगपुरी और बसंत कुन्ज आदि क्षेत्रों में रहने वाली 25,000 निवासियों को लाभ पहुँचेगा। श्री एस.एस. यादव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दिल्ली जल बोर्ड ने कहा, श्दिल्ली जल बोर्ड दिल्ली में कुशल जल और अवजल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और हमारा ध्यान सुविधा रहित क्षेत्रों में सेवाएं उपलब्ध कराने पर हैश्। श्री दिनेष मोहनिया, उपाध्यक्ष, दिल्ली जल बोर्ड ने कहा, श्जनादेश के अनुसार

दिल्ली जल बोर्ड ज्यादा क्षेत्रों को अपने जल और अवजल तंत्र में ला रहा है। दिल्ली जल बोर्ड ने इस वित्तीय वर्ष के अन्त तक 250 कॉलोनियों में जल–आपूर्ति उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस वर्ष में दिल्ली में लगेंगे एक लाख पौधे

दिल्ली के तीन विद्यालयों में पौधारोपण अभियान की शुरुआत करते हुए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री श्री असीम अहमद खान ने लोगोंसे अपील की कि वे दिल्ली में हरित पट्टी क्षेत्र को बढ़ाने के लिए अपने आस पास के खाली जगहों पर पौधे लगाएं। श्री असीम अहमद ने पौधारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष पौधारोपण अभियान की शुरुआत की।

इस अभियान के तहत दिल्ली सरकार के विद्यालयों में एक दिन में 30 हजार पौधे लगाए गये। पर्यावरण मंत्री ने इस अभियान को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षा विभाग के प्रयासों की सराहना की। दिल्ली सरकार ने दिल्ली में हरित क्षेत्र को अगले पांच वर्षों में 20 प्रतिशत से 25 प्रतिशत करने का निर्णय किया है। शिक्षा विभाग को इस वर्ष में 1 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। श्री अहमद ने शिक्षा विभाग के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग ने अब तक 64 हजार पौधे दिल्ली में लगा दिए हैं और हमे उम्मीद है कि विभाग दिल्ली में एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य भी जल्द पूरा कर लेगा। श्री खाने ने पौधारोपण कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के बढ चढ कर लेने पर उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पौधे हमें शुद्ध हवा, प्रदूषण नियंत्रण और भूमि संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। श्री अहमद ने कहा कि शिक्षा विभाग की तरह अन्य विभाग भी अपने विभागों में पौधारोपण अभियान चलाएंगे।

परिवहन मंत्री श्री गोपाल राय ने दक्षिणी परिसर से बस को हरी झण्डी दिखा कर नये रूट का शुभारंभ किया।

दिल्ली सरकार की पहल पर दिल्ली के परिवहन विभाग ने डी.टी.सी. के नये रूट की शुरूआत की है जो कि साउथ कैंपस से हौज खास मैट्रो स्टेशन के बीच होगा। इस रूट पर लो सीएनजी (ग्रीन) बसे चलेंगी।

दिल्ली के परिवहन मंत्री श्री गोपाल राय ने दक्षिण परिसर से बस को हरी झण्डी दिखा कर इस रूट का शुभारम्भ किया। यह बस सेवा दो ट्रीप सुबह 8 बजे और 8:45 बजे पर हौज खास मैट्रो स्टेशन से साउथ कैंपस, मुनिरका, मोती बाग। दो ट्रीप अपराह्न 2 बजे और 2:40 बजे साउथ कैंपस, हौज खास मैट्रो स्टेशन, बसंत गांव, मुनीरका मे चलेगी।

दिल्ली हॉट में तीज मेला

प्रत्येक वर्ष की तरह से इस वर्ष भी तीज उत्सव को दिल्ली पर्यटन ने अपने तीनों दिल्ली हाट धूमधाम से

मनाया। माना जाता है कि संसार में सावन के सौंदर्य से सुंदर कुछ भी नहीं होता। मिट्टी की सौंधी सुगंध संपूर्ण वातावरण में अपनी महक फैलाती है। ऐसी मान्यता है कि शिव और पार्वती के प्रेम को दर्शाने वाले इस त्यौहार के इस दिन इनका पुनर्मिलन हुआ था। इसी कारण पूर्ण श्रृंगार करने सुहागन स्त्रियां अपने पति की दीर्घ आयु की मंगलकामना के लिए व्रत रखती है।

तीज उत्सव उत्तरी भारत विशेषकर राजस्थान की महिलाओं का प्रसिद्ध त्यौहार है। गांवों और कस्बों में पेड़ों पर झूले डालकर महिलाएं और किशोरियां झूलें पर ऊँची–ऊँची पींगे लेते हुए सावन के मधुर गीत गाती है।

दिल्ली हाट में इस अवसर को पूर्ण जीवंत रूप देने के लिए तीज बजार का भी आयोजन किया। इस बाजार में रंगबिरंगी चुड़ियां, बिंदी, उपहार के सामान, लहरिया मेहंदी लगाने वालों की दुकानें आकर्षण का केंद्र थी। इस अवसर पर प्रमुख राजस्थानी मिठाई घेवर सभी दिन उपलब्ध था।

छत्रसाल स्टेडियम में निर्माण श्रमिक सम्मेलन

निर्माण श्रमिकों के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाली सहायता राशि में दिल्ली सरकार ने वृद्धि की है। यह बात दिल्ली के श्रम मंत्री श्री गोपाल राय ने आज छत्रसाल स्टेडियम, मॉडल टाउन, दिल्ली में श्रम विभाग की ओर से आयोजित निर्माण श्रमिक सम्मेलन में कही। श्री गोपाल राय ने बताया कि निर्माण श्रमिकों के बेटियों के विवाह के लिए आर्थिक सहायता 10,000/–रूपये से बढाकर 51,000/–रूपये की गई है तो माताओं के प्रसूति लाभ की राशि को 10,000/–रूपये से बढाकर 30,000/–रूपये किया गया है। निर्माण श्रमिकों के घर निर्माण के लिए ऋण सुविधा को बढाकर 3 लाख रूपए कर दिया गया है।

श्री गोपाल राय ने निर्माण श्रमिक सम्मेलन के अवसर पर 15 करोड की राशि का चेक दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग को दिया, जिससे दिल्ली सरकार के 266 स्कूलो में पढने वाले 26451 पंजीकृत निर्माण श्रमिको के बच्चो को शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध करवायी जायेगी, जो वर्ष 2013–14 से रूकी हुई थी। इसके अतिरिक्त शिक्षा निदेशालय 2014–15 के लिए आंकड़े तैयार कर रहा है और शीघ्र ही उसके लिए भी शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध करवा दी जायेगी। निर्माण श्रमिक सम्मेलन के अवसर पर श्री गोपाल राय ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाली निर्माण श्रमिकों के सहायता राशि के चेक का वितरण भी किया।

दिल्ली जल बोर्ड ने पूरी दिल्ली में अनधिकृत कनेक्शनों और पानी की बर्वादी को रोकने के लिए गहन प्रवर्तन अभियान की शुरूआत की

दिल्ली जल बोर्ड

दिल्ली जल बोर्ड ने अनधिकृत कनेक्शनों तथा पानी की बर्वादी पर अंकुश लगाने के अपने प्रयासों को अधिक बढ़ाने के उद्देश्य से दिल्ली में गहन प्रवर्तन अभियान शुरू किया है। इस अभियान के दौरान एक ही दिन में 1567 सम्पत्तियों की जांच की गयी और 411 लोगों के

विरूद्ध मामला दर्ज किया गया । इसके अलावा नियमित प्रवर्तन कार्यवाही को भी तेज कर दिया गया है, पिछले तीन महीने के अंदर 4577 सम्पत्तियों की जांच की गयी और 1055 लोगों को चालान जारी कर दिया गया । इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति अथवा संस्थापन अनधिकृत कनेक्शनों के द्वारा पानी की चोरी अथवा दुरूपयोग न कर पाये। दिनांक 26.08.2015 को दिल्ली जल बोर्ड ने पूरी दिल्ली में विशेष प्रवर्तन अभियान अनधिकृत कनैक्शनो का पता लगाने और पानी के दुरूपयोग को रोकने के लिए चलाया। इस अभियान के अंतर्गत बढ़ी संख्या में दोषी व्यक्तियों पर दिल्ली जल बोर्ड एक्ट 1998 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। क्षेत्र के अधीक्षण अभियंता की अगुवाई में अधिशासी अभियंताओं, क्षेत्रीय अभियंता और कनिष्ठ अभियंता की टीम बनाई गयी। एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में एक दिन में 1567 सम्पत्तियों की जांच की गयी और 411 दोषियों को अनधिकृत और गैर कानूनी पानी के कनैक्शनों, पानी के दुरूपयोग के लिए मामला दर्ज किया गया। इस तरह का अभियान दिल्ली जल बोर्ड ने पहली बार चलाया गया है, जबकि एक ही दिन में इतनी बढ़ी संख्या में लोगों की जांच की गयी तथा मामला दर्ज किया गया दिल्ली जल बोर्ड हर हफ्ते ऐसे अभियान चलायेगा।

जल्द खत्म होगी कालकाजी क्षेत्र के पानी की समस्या –श्री कपिल मिश्रा

दिल्ली के जल मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने विधायक श्री अवतार सिंह कालकाजी विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। इस मौके पर श्री कपिल मिश्रा ने सुधार कैम्प कालकाजी के पुनर्निर्माणित जनसुविधा का शुभारंभ भी किया। श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि हम लोगों को अच्छे विद्यालय, स्वस्थ अस्पताल और स्वच्छ जल देने के लिए प्रयासरत हैं। सभी स्कूलों को मॉडल स्कूल के रूप में प्रस्तुत करना हमारी प्राथमिकता है। इसके अलावा स्वस्थ अस्पताल, बिजली, पानी, साफ–सुथरे रोड़, शानदार परिवहन व्यवस्था आदि पर हम प्राथमिकता से काम कर रहे हैं। श्री मिश्रा ने ट्रांजिट कैम्प, बी ब्लॉक, कालकाजी का भी मुआयना किया। ■